Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D—8008

PAPER—III

Time : 2½ hours]

GEOGRAPHY

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : **32**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

GEOGRAPHY

भूगोल

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each question carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

The impact of people on the physical environment in the 20th century has been greater than in the previous three billion years. Modernization and industrialization, especially the development of nuclear energy, have provided the means of drastically changing the biosphere. Unfortunately, political institutions have not developed or evolved at the same pace as our ability to degrade the environment; in essence, we have outmoded political institutions trying to deal with environmental problems.

Environmental degradation is an international phenomenon. Many internationally famous structures, like the Coliseum in Rome, the Parthenon in Greece, and the Lincoln Memorial in Washington, are falling apart because of deteriorating environmental conditions. These structures are slowly being eaten away by acid pollution in the air or shaken to pieces by the rumble of heavy trucks and vehicular traffic. Even more fragile than these human-made structures are the earth's natural systems. Throughout the world species of animals are becoming extinct, oceans are being polluted, and the air we breathe is becoming contaminated. The pollutants, particularly those in the air and water, do not respect international boundaries; it will take an international effort to solve the problem.

A strange dichotomy exists between the developing and the developed nations in this regard. Most of the developing nations do not want any form of international control on pollution; they feel it will interfere with their economic and industrial development. Pollution control costs money and, with a lack of capital anyway, the developing nations do not want to invest their scarce capital in pollution abatement. On the other hand, the developed nations, like the United States and the Soviet Union, support some form of international regulation of pollution activities.

Policies to deal with international pollution can be set at two general levels, external and internal. External policies are related to areas outside national boundaries; whether on the regional or global scale, pollution control will involve international cooperation and regulation. Internal policies refer to the regulation of local problems which have international implications; for example, policies related to overpopulation or depletion of natural resources. Although there is general agreement that environmental management is a task for all nations, and a new framework of international environmental law should be devised, there is no agreement past these general principles. When it comes to the specific rules and the institutions to enforce them, most states and international bodies are floundering.

बीसवीं शताब्दी में भौतिक पर्यावरण पर लोगों का प्रभाव पिछले तीन अरब वर्षों की अपेक्षा कहीं अधिक रहा है। आधुनिकीकरण एवं औद्योगीकीकरण, विशेष रूप से न्यूक्लीय ऊर्जा के विकास, ने जैव मन्डल को तेजी से परिवर्तित करने के साधन प्रदान किये हैं। दुर्भाग्यवश, राजनैतिक संस्थायें उस गति के साथ विकसित नहीं हुई जिस गति से पर्यावरण को अवक्रमित करने की हमारी योग्यता विकसित हुई है। वास्तव में, हमने पर्यावरणीय समस्याओं से निबटने की कोशिश करने वाली राजनैतिक संस्थाओं को प्रचलन से बाहर कर दिया है।

पर्यावरणीय अवक्रमण (निम्नीकरण) एक अंतर्राष्ट्रीय दृश्यघटना है। कई अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रसिद्ध संरचनायें जैसे कि रोम में कोलिसियम, यूनान में पार्थेनान और वाशिंगटन में लिंकन स्मारक, वातावरण की बिगड़ती हुई स्थितियों के कारण क्षति ग्रस्त होती जा रहीं ये संरचनायें वायु में अम्लीय प्रदूषण द्वारा धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं, या भारी ट्रकों तथा वाहनों के ट्रैफिक की गड़गड़ाहट/हिचकोलों द्वारा टूट रहे हैं। इन मानव निर्मित संरचनाओं से भी ज्यादा भंगुर पृथ्वी के प्राकृतिक तन्त्र हैं। विश्व भर में पशुओं की जातियां लुप्त हो रही हैं, महासागर प्रदूषित हो रहे हैं और जो वायु हम सांस लेते हैं वह संदूषित हो रही है। ये प्रदूषक, विशेष रूप से जो वायु और जल में हैं, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से बंधें नहीं है, समस्या का हल करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रयत्न की आवश्यकता है।

इस सम्बन्ध में विकासशील एवं विकसित राष्ट्रों के बीच अजीब अन्तर पाया जाता है। अधिकांश विकासशील राष्ट्र प्रदूषण पर किसी भी रूप का अंतर्राष्ट्रीय नियन्त्रण नहीं चाहते हैं। उन्हें लगता है कि यह उनके आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में हस्तक्षेप करेगा। प्रदूषण नियन्त्रण में धन लगाना पड़ता है और पूंजी के अभाव में विकासशील राष्ट्र अपनी दुर्लभ पूंजी को प्रदूषण न्यूनीकरण में विनियोग नहीं करना चाहते हैं। दूसरी ओर विकसित देश, जैसे अमेरिका और सोवियत यूनियन, प्रदूषण गतिविधियों के अंतर्राष्ट्रीय विनियमन के किसी न किसी रूप का समर्थन करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रदूषण सम्बन्धी नीतियां दो सामान्य स्तरों पर निर्धारित की जा सकती हैं, बाह्य तथा आन्तरिक। बाह्य नीतिया राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर के क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं; प्रादेशिक या भूमंडलीय दोनों पैमानों पर प्रदूषण नियन्त्रण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और विनियमन आवश्यक है। आंतरिक नीतियां उन स्थानीय समस्याओं, जिनके अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ हैं, से सम्बन्धि होती हैं; उदाहरण के लिये, जनसंख्या आधिक्य या प्राकृतिक संसाधनों के अपक्षय से सम्बद्धित नीतियां। यद्यपि इस पर सामान्य मतैक्य है कि पर्यावरण प्रबन्धन समस्त राष्ट्रों का कार्य है, और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय कानून का नया ढ़ांचा तैयार करना चाहिये, इन सामान्य सिद्धान्तों के परे कोई मतैक्य नहीं है। जब विशिष्ट नियमों और उन्हें लागू करने वाली संस्थाओं की बात आती है, तो अधिकांश राज्य और अंतर्राष्ट्रीय संस्थायें हिचकिचाने लगती हैं।

1. Which particular problem does the above passage refer to ?

उपर्युक्त लेखांश में किस विशेष समस्या का उल्लेख है?

2. Mention the factors largely responsible for the changes in biosphere.

जैवमंडल में परिवर्तन के मुख्य उत्तरदायी कारकों का वर्णन कीजिए।

3. How has the environmental problem become an international phenomenon ?

पर्यावरणीय समस्या कैसे अन्तर्राष्ट्रीय परिघटना बन गई है?

4. Why does a dichotomy exist between developed and developing countries in reducing emission ?

उत्सर्जन को कम करने के लिए विकसित और विकासशील देशों में विभेद क्यों पाया जाता है?

5. Elaborate the policies concerning international pollution control.

अन्तर्राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण की नीतियों का वर्णन कीजिए।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. Define rejuvenation.

नवोन्मेष (पुनर्युवन) की परिभाषा दीजिए।

7. What is jet stream ?

जेट स्ट्रीम क्या है?

8. Define radicalism.

आमूल परिवर्तनवाद की परिभाषा दीजिए।

9. Define footloose industry.

स्वच्छन्द उद्योग की परिभाषा दीजिए।

10. What is a thematic map ?

थीमैटिक मानचित्र किसे कहते हैं?

11. Define weathering and mention different types of weathering.

अपक्षय की परिभाषा दीजिए और विभिन्न प्रकार के अपक्षयों का उल्लेख कीजिए।

12. Define air mass.

वायु संहति की परिभाषा दीजिए।

13. How are tides formed ?

ज्वार की उत्पत्ति कैसे होती है?

14. Mention the different types of biomes.

विभिन्न प्रकार के जीवोमों का उल्लेख कीजिए।

15. Define environmental geomorphology.

पर्यावरणीय भूआकृतिविज्ञान की परिभाषा दीजिए।

16. Define the concept of hierarchy of regions.

प्रदेशों के उत्क्रम की अवधारणा की परिभाषा दीजिए।

17. What is a city region ?

नगर प्रदेश क्या होता है?

18. List out the environmental factors which affect the cultural landscape of an area.

सांस्कृतिक भूदृश्य को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय कारकों की सूची बनाइए।

19. Classify rural settlements.

ग्रामीण अधिवासों का वर्गीकरण कीजिए।

20. Define idiographic method in geography.

भूगोल में भावचित्रीय विधि की परिभाषा दीजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में बारह–बारह (12-12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. Give a brief account of Savanna Biome.
सवाना जीओम का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

22. Examine the contribution of Peter Haggett in Geography.
पीटर हैगेट के भूगोल में योगदान की समीक्षा कीजिए।

23. Describe the salient features of population policy in India.
भारत की जनसंख्या नीति के प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए।

24. Bring out the characteristics of different types of economies.
विभिन्न प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

25. Discuss the different indicators of development.
विकास के विभिन्न संकेतकों का वर्णन कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Critically examine the views of Penck, Wood and King on the development of slopes.

ढालों के विकास पर पेंक, वुड और किंग के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

OR/अथवा

Critically review the regional planning policies adopted in India during the Five Year Plans.

भारत में पंचवर्षीय योजनाओं में अपनाई गई प्रादेशिक नियोजन नीतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

OR/अथवा

'Geography is the study and science of environmental and societal dynamics and society-environment interactions'. Elaborate.

''भूगोल पर्यावरणीय तथा सामाजिक गति की और समाज तथा पर्यावरण के अन्तर्सम्बन्धों का विज्ञान और अध्ययन है'। विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....